an>

Title: Need to provide MSP for paddy crops to the farmers.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : अध्यक्ष महोदया, मैं अतिलोक महत्व एवं किसान से जुड़े विषय को शून्य काल में उठाना चाहती हूँ। आज धान क्रय केंद्रो की उत्तर प्रदेश में बहुत खराब हालत हैं। क्रय केंद्र खुल तो गए हैं, किंतु एक भी क्रियाशील नहीं हैं। किसानों की धान की खरीद क्रय केंद्रों पर नहीं हो रही हैं। मजबूर किसान घोषित समर्थन मूल्य 14 रूपये 50 पैसे के स्थान पर, बिचौलियों एवं व्यापारियों को 10 रूपये अथवा औने पौने मूल्य पर बेचने को विवश हैं। लागत एवं उपज मूल्य के बीच बढ़ती खाई के कारण किसान निराश होता जा रहा हैं। वर्ष 2010-11 तक स्टेट पूल चावल का भण्डारण खुद करती थी। अब भारतीय खाद्य निगम खरीद कर भण्डारण कर रहा हैं। स्टेट पूल 62 प्रतिशत जबकि भारतीय खाद्य निगम 67 प्रतिशत धान कुटाई का औसत कर दिया। परिणाम स्वरूप किसान हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा हैं। वहीं पर चावल मिल बैठ गए हैं। बेरोजगारों की मिलें बंद होने के कागार पर हैं।

मैं सदन के माध्यम से यह मांग करना चाहती हूँ कि किसानों की दुर्दशा व उपेक्षा को ध्यान में रखते हुए, निर्धारित समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर खरीद को संज्ञेय अपराध घोषित किए जाने व किसानों की संपूर्ण धान की खरीद सुनिश्चित किए जाने की मांग करती हूँ।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती नीलम सोनकर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती हैं।